



इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट- सी सं० - 1436 वर्ष 2026

निर्मल सिंह तथा एक अन्य

..... याची(गण)

बनाम

उ०प्र० राज्य तथा 7 अन्य

..... प्रत्यर्थी(गण)

याची (गण) के अधिवक्ता : ज्ञान प्रकाश तिवारी, कमलेश तिवारी

प्रत्यर्थी (गण) के अधिवक्ता : मुख्य स्थायी अधिवक्ता, शशी कांत मिश्रा

न्यायालय सं० 6

मा० प्रकाश पाड़िया, न्यायमूर्ति

1. कुछ बहस क पश्चात, याची को नये सिरे से याचिका दाखिल करने के स्वतंत्रता के साथ नाट प्रेस न होने के नाते वर्तमान याचिका को खारिज करने के लिए याची के अधिवक्ता द्वारा अनुरोध किया गया है।
2. इस अनुरोध का विरोध श्री एस.के. मिश्रा, विद्वान अधिवक्ता द्वारा तथा प्रत्यर्थीगण की ओर से उपस्थित होते हुए विद्वान स्थायी अधिवक्ता द्वारा नहीं किया गया है।
3. अनुरोध को अनुज्ञात किया जाता है।
4. तदनुसार, याचिका को स्वतंत्रता के साथ नाट प्रेस होने के नाते खारिज किया जाता है जैसा अनुरोध किया गया है।
5. कार्यालय को आदेश की प्रमाणित प्रति जो याचिका के साथ संलग्न है इसकी छायाप्रति रखने के पश्चात् याची के विद्वान अधिवक्ता को वापस करने का निदेश दिया जाता है।

जनवरी, 20, 2026

(प्रकाश पाड़िया, न्यायमूर्ति)

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"